ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-५४ **टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-शुक्रवार-,२७ जुलाई,२०१८

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.० एवं २५.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ९१ सुबह में एवं दोपहर में ७६ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.५ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.२ एवं दोपहर में ३१.९ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में पूसा मौसमीय वेद्यशाला में २२.४ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(२८ जुलाई से ०१ अगस्त, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग जारी २८ जुलाई से ०१ अगस्त,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में सामान्य के आस-पास वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि में मानसुन के मध्यम से घने बादल देखें जा सकते है तथा तराई एवं मैदानी भागों के जिलों में सामान्य वर्षा होने की संभावना के साथ *अनेक स्थानों पर* हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। इन जिलों के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा भी हो सकती है। तराई के जिलों में मैदानी भागों के तुलना में वर्षा की संभावना अधिक है।
- अधिकतम तापमान में थोड़ी गिरावट के साथ इसके २९ से ३१ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में भी १ से २ डिग्री गिरावट के साथ २२ से २४ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- औसतन १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ९० से ९५ प्रतिशत तथा दोपहर में ७० से ७५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- ✓ विगत २-३ दिनों में उत्तर बिहार में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बर्षा हुई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में भी बर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई वर्षा जल का संग्रह खेत में करने के लिए मेड़ों को मजबुत बनाने का कार्य करें तथा नीचली एवं मध्यम जमीन में धान रोपनी का समुचित व्यवस्था करें। मध्यम अवधि की धान की किस्मों के लिए कदवा के समय ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ४० किलोग्राम पोटाश तथा अगात किस्मों के लिए २५ किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें। धान की २० से २५ दिनों वाली फसल से खर-पतवार निकाल दें तथा ३० किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें।
- ✓ धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टर) का ५००-६०० लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से०मी० पानी की उपस्थति रहनी चाहिए।
- ✓ खरीफ मक्का की ३०-३५ दिनों वाली फसल में बछनी कर ४० किलोग्राम नेत्रजन का व्यवहार करें।
- ✓ खरीफ प्याज की रोपाई के लिए खेतो को समतल कर छोटी-छोटी उथली क्यारियाँ बनावें, जिसकी चौड़ाई २ मीटर एवं लम्बाई ३ से ५ मीटर तक रख सकते हैं। प्रत्येक दो क्यारियो के बीच जल निकास हेतु नालियाँ अवश्य बनावें। जिन किसान भाई का प्याज का पौध ४५-५० दिनों का हो गया हो वे पाँक्ति से पाँक्ति की दुरी १५ से०मी०, पौध से पौध की दुरी १० से०मी० पर रोपाई करें।
- ✓ फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में *अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक-१, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवॉरी* एवं *अर्ली स्नोबॉल* किस्मों की बुआई नर्सरी में करें।
- ✓ फूलगोभी की अगात किस्में *कुँआरी, पटना अर्ली, पूसा कतकी, हाजीपुर अगात, पूसा दिपाली* की रोपाई 45 X 45 से० मी० की दुरी पर करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में १०-१५ किलो ग्राम बोरेक्स तथा १-२ किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे।
- ✓ मिर्च की उन्नत प्रभेद *पंत मिर्च-३, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल* तथा संकर किस्में *अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी०एस०एस०-२६७* की बुआई नर्सरी में करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३३.३ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.१ अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः२६.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ अधिक

(डॉ०ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी